Literacy for a Billion

Movie: Arpan
Year: 1983

Song: Likhne Waele Ne Likh Dale
Lyricist: Anand Bakshi

हो ... ओ ...
हो ... ओ ...

हो ... ओ ...
हो ... ओ ...

लिखनेवाले ने
लिख डाले
लिखनेवाले ने
लिख डाले
मिलन के साथ
विछोड़े

असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े
असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े

लिखनेवाले ने
लिख डाले
मिलन के साथ
विछोड़े

असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े
असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े

मुश्किल है इस शहर से जाना

मुश्किल है इस शहर से जाना
फिर जाने कब होगा आना
याद न आना
भूल न जाना
याद न आना
भूल न जाना
ये दिल कैसा है दीवाना
चार दिनों में
इसने कितने
रिश्ते नाते जोड़े

असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े
असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े

हो ... ओ ...
हो ... ओ ...

मिलना बिछड़ना
रीत यही है
मिलना बिछड़ना
रीत यही है
हार यही है
जीत यही है
प्यार यही है
प्रीत यही है
मेरा आख़री
गीत यही है

इस बैरन बिरह ने जाने
कितनों के दिल तोड़े

असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े
असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े

दुनिया के दस्तूर हैं ऐसे
दुनिया के दस्तूर हैं ऐसे
सारे बंधन सपनों जैसे
दिल ग़म सह लेता है वैसे
कोई आँसू रोके कैसे

जब बेटी डोली में बैठे
हो जब बेटी डोली में बैठे
बाबुल का घर छोड़े

असाँ हुन ...

असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े

असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े
असाँ हुन तुर जाणा ए
दिन रै गए थोड़े

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.